सरदार पटेल से प्रेरणा लेकर 'राष्ट्र प्रथम' को सर्वोपरि रखें युवा : भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री ने अमर जवान ज्योति से यमुना प्रवाह यात्रा को हरी झंडी दिखाई

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल ने अपनी दूरदर्शी सोच, दृढ़ इच्छाशक्ति और साहसिक निर्णयों से भारत को एकजुट कर राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने युवाओं से आव्हान किया कि युवा सरदार पटेल के जीवन से प्रेरणा लेकर 'राष्ट्र प्रथम' को सर्वोपरि रखें तथा एक मजबूत, एकजुट तथा विकसित भारत के निर्माण में योगदान दें। शर्मा ने सभी को संविधान दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर ने विश्व का सबसे बड़ा संविधान हमें दिया है तथा उसी आधार पर देश आगे बढ़ रहा है। शर्मा ने बुधवार को अमर जवान ज्योति से सरदार150 यूनिटी मार्च के अंतर्गत यमुना प्रवाह यात्रा के तहत आयोजित समारोह को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आव्हान पर पूरे देशभर में सरदार पटेल की 150वीं जयंती मनाई जा रही है। इसी के तहत यमुना प्रवाह यात्रा भी संचालित की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस यात्रा के तहत राजस्थान सहित विभिन्न प्रदेशों से युवा जयपुर से सरदार पटेल की जन्मभूमि कमरसद तक की यात्रा करेंगे। यह यात्रा युवाओं के लिए सरदार पटेल के जीवन, संघर्ष और देशभक्ति को करीब से जानने का अवसर है। साथ ही, युवाओं को सरदार पटेल के आदर्शों और मूल्यों को समझने का प्रत्यक्ष अनुभव भी मिलेगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को जयपुर स्थित अमर जवान ज्योति से यमुना प्रवाह यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरदार पटेल का स्वतंत्रता आंदोलन में अमूल्य योगदान रहा। बारडोली सत्याग्रह में उनकी प्रभावशाली भूमिका के कारण उन्हें सरदार की उपाधि दी गई।

उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में भी बढ़-चढ़कर भाग लिया और किसानों को अपने अधिकारों के लिए लड़ना सिखाया और सरदार पटेल जेल भी गए। लेकिन उन्होंने कभी अपने सिद्धांतों के साथ समझौता नहीं किया।

शर्मा ने कहा कि 15 अगस्त 1947 को भारत को आजादी तो मिली लेकिन विभाजन का दर्द भी सहना पड़ा। उस समय देश सैकड़ों टुकड़ों में बंटा हुआ था। उन्होंने कहा कि देश की 562 रियासतें स्वतंत्र इकाई थी। सरदार पटेल ने अपनी कूटनीति, दूरदर्शिता और कभी-कभी कठोरता का इस्तेमाल करते हुए प्रत्येक रियासत को भारत में मिलाना शुरू किया। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने ऑपरेशन पोलो चलाकर हैदराबाद तथा जनमत संग्रह कराकर जूनागढ़ को भारत में शामिल कराया। उन्होंने भारत की एकता और अखंडता को अपना सबसे बड़ा लक्ष्य बनाया और उसे पूरा करके दिखाया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने सरदार पटेल की विरासत को आगे बढ़ाने का बीड़ा उठाया है। सरदार पटेल का अधूरा सपना प्रधानमंत्री ने कश्मीर से धारा 370 हटाकर पूरा किया। प्रधानमंत्री भारत को एक सूत्र में बांध रहे हैं।

पूरब से पश्चिम तक और उत्तर से दक्षिण तक आज भारत एक हो रहा है। सरदार पटेल के योगदान को सम्मान देते हुए विश्व की सबसे बड़ी प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी बनाई गई। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में वर्ष 2014 के बाद देश में गरीब कल्याण, विकास योजनाओं, आतंकवाद-नक्सलवाद का खात्मा तथा विश्व पटल पर देश का सम्मान बढ़ने जैसे अभूतपूर्व कार्य हुए हैं।

- **लौह पुरूष ने दूरदर्शी सोच और साहसिक निर्णयों से देश को किया एकजुट : सीएम**

उन्होंने कहा कि पूरा विश्व भारत को उम्मीदों से देख रहा है तथा दुनिया के सबसे बड़े लीडर के नेतृत्व में देश नई ऊचाईयां छू रहा है।

शर्मा ने कहा कि सरदार पटेल का जीवन युवाओं और हर भारतीय के लिए प्रेरणा है। युवा पीढ़ी उनके जीवन से कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी और सत्यनिष्ठा, दृढ़ संकल्प, एकता तथा सादगी की पांच प्रमुख सीख ले सकती है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सरदार150 यूनिटी मार्च के तहत यमुना प्रवाह यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इससे पहले शर्मा ने अमर जवान ज्योति पर पुष्पचक्र अर्पित कर शहीदों को नमन भी किया। इस दौरान सांसद मदन राठौड़, मंजू शर्मा, विधायक कालीचरण सराफ, जितेन्द्र गोठवाल, गोपाल शर्मा, बालमुकुन्दाचार्य सहित बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

एसबीए ग्रुप ने "हडल" का शुभारंभ किया

भारतीय व्यवसायों को वैश्विक उद्यमों में परिवर्तित करने के लिए प्रमुख सहयोगी कार्यस्थल

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने एसबीए ग्रुप के "हडल" का उद्घाटन किया। उनके साथ सांसद मंजू शर्मा भी मौजूद थीं।

जयपुर। सात दशकों की अंतर्राष्ट्रीय व्यावसायिक विशेषज्ञता वाली अग्रणी परामर्श फर्म एसबीए ने बुधवार को "हडल" का उद्घाटन किया, जो भारतीय व्यवसायों को वैश्विक मंच पर आगे बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया एक अत्याधुनिक सहयोगी कार्यस्थल है। इसका कार्यालय 10वीं मंजिल, सिग्नेचर एलीट जे-7, गोविंद मार्ग जयपुर में है।

मुख्य अतिथि विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि हडल भारतीय व्यवसायों के बहुराष्ट्रीय संचालन में विस्तार के लिए आधार तैयार करेगा। यह पहल राजस्थान सरकार की राइजिंग राजस्थान दृष्टि में पहला ठोस कदम है। ऐसी परियोजनाएं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विकसित भारत पहल को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण है। एसबीए के अध्यक्ष ने हडल की रणनीतिक दृष्टि को भारत भर में स्टार्टअप्स और विकास चरण के व्यवसायों के लिए एक व्यापक इनक्यूबेशन केंद्र के रूप में व्यक्त किया। हडल उद्यिमयों को प्रौद्योगिकी-सक्षम सेवाओं के साथ इष्टतम आराम प्रदान करता है। एसबीए की वैश्विक उपस्थिति का लाभ उठाते हुए, हम जयपुर के केंद्र से व्यवसायों को विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे के साथ फलने-फूलने में सक्षम बनाते हैं।

एसबीए ग्रुप के सीईओ अर्पित भार्गव और सीओओ राधिका शर्मा ने हडल को जयपुर और राजस्थान में बढ़ते व्यवसायों के लिए लॉन्चपैड बताया। एसबीए कंपनियों को एक ही छत के नीचे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित सलाह प्राप्त करने में सक्षम बनाएगा। अंतर्राष्ट्रीय व्यवसायों की सत्तर वर्षों की सेवा पर निर्मित, एसबीए ने एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र बनाया है जो परामर्श, प्रौद्योगिकी बुनियादी ढांचे और पेशेवर सलाहकार सेवाओं को एकीकृत करता है। समारोह में स्वर्गीय सीए वी.एन. भार्गव, एसबीए के सह-संस्थापक के सम्मान में विश्वेश्वर सभागार का समर्पण किया गया। समारोह में सांसद मंजू शर्मा, मंत्री गौतम कुमार दक और कन्हैया लाल ने पहल की प्रशंसा की और इस परिवर्तनकारी सहयोगी स्थान के लिए एसबीए को बधाई दी।

राजस्थान को 3 प्रमुख श्रेणियों में राष्ट्रीय गोपाल रत्न अवार्ड-2025 मिला

आर.सी.डी.एफ. ने लगातार दूसरे वर्ष राष्ट्रीय कीर्तिमान रचा

जयपुर (कासं)। राजस्थान ने देशभर में सर्वाधिक तीन राष्ट्रीय अवार्ड जीतकर एक बार फिर इतिहास रचा हैं। भारत सरकार ने तीनों प्रमुख श्रेणियों में राजस्थान को राष्ट्रीय गोपाल रत्न अवार्ड-2025 से सम्मानित किया है। देशभर से प्राप्त 2081 आवेदनों में से राजस्थान को तीन श्रेणियां में अवार्ड मिलना राज्य की मजबूत डेयरी प्रणाली, नवाचार, क्षमता, उच्च गुणवत्ता और दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में तकनीकी दक्षता को दर्शाता है।

राष्ट्रीय दुग्ध दिवस के अवसर पर बुधवार को नई दिल्ली के चाणक्यपुरी स्थित सुषमा स्वराज भवन में आयोजित भव्य समारोह में राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन (आरसीडीएफ) को उत्कृष्टता के लिए दो अलग- अलग श्रेणियां में सम्मानित किया गया। केन्द्रीय पशुपालन एवं डेयरी राज्यमंत्री एस. पी. सिंह बघेल तथा जार्ज कुरियन ने राष्ट्रीय गोपाल रत्न अवॉर्ड प्रदान किए। इस अवसर पर राजस्थान कोऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन की प्रबंध संचालक एवं प्रशासक श्रुति भारद्वाज के साथ सम्बद्ध जिला दुग्ध संघों के पदाधिकारी ने यह सम्मान ग्रहण किया। बेस्ट डेयरी को-ऑपरेटिव सोसायटी का अवार्ड घिनोई दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति (जयपुर) को मिला। समिति को भारत सरकार द्वारा रु. 3 लाख रु., मेरिट सर्टिफिकेट और प्रतीक चिन्ह प्रदान किए गए।

केन्द्रीय पशुपालन व डेयरी राज्यमंत्री एस. पी. सिंह बघेल तथा जार्ज कुरियन ने नई दिल्ली में आयोजित समारोह में राष्ट्रीय गोपाल रत्न अवॉर्ड से आरसीडीएफ को नवाजा। यह पुरस्कार प्रबंध संचालक एवं प्रशासक श्रुति भारद्वाज व जिला दुग्ध संघों के पदाधिकारियों ने ग्रहण किया।

इसी तरह बेस्ट डेयरी फार्मर अवार्ड हर्षित झुरिया (सीकर) को मिला। उन्हें 2 लाख रु., मेरिट सर्टिफिकेट और प्रतीक चिन्ह प्रदान किया गया। हर्षित झुरिया को दुग्ध उत्पादन में वृद्धि और गुणवत्ता सुधार की दिशा में किए गए नवाचारी प्रयासों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया है। इसके अलावा बेस्ट टेक्नीशियन अवार्ड विकास कुमार (हनुमानगढ़) को मिला।

राष्ट्रीय स्तर पर डेयरी क्षेत्र में राजस्थान के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर पशुपालन एवं गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने सभी विजेताओं और प्रदेश के दुग्ध उत्पादकों को बधाई दी है। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष में भी राजस्थान ने दो श्रेणियों में राष्ट्रीय गोपाल रत्न अवार्ड हासिल कर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई थी।

10 दिव्यांगों को मिलेगा सम्मान

जयपुर। विश्व दिव्यांग दिवस 3 दिसंबर को भारतीय दिव्यांग संघ की ओर से जवाहर कला केन्द्र स्थित रंगायन सभागार में दिव्यांगों से जुड़ा राष्ट्रीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में देशभर से दिव्यांगजन अपनी कला, प्रतिभा और दक्षता को दुनिया के सामने प्रस्तुत करेंगे। मुख्य अतिथि राज्यपाल हरीभाऊ किशनराव बागड़े होंगे।भारतीय दिव्यांग संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोविंद नारायण और राष्ट्रीय मुख्य सलाहकार देवेंद्र कुमार शर्मा ने यह जानकारी दी।

'गवाही तक जांच अधिकारी का रोके वेतन'

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने चंदवाजी थाने में दर्ज आपराधिक मामले में जांच अधिकारी के निचली अदालत में गवाही के लिए नहीं जाने पर नाराजगी जताई है। अदालत ने कहा कि अनुसंधान अधिकारी उदय सिंह दूसरे कामों में व्यस्तता का हवाला देकर निचली अदालत में पेश नहीं हो रहे हैं। यह गवाही से बचने का प्रयास है और अभियोजन पक्ष गवाह पेश करने में विफल रहा है। इसके साथ ही अदालत ने पुलिस महानिदेशक और कोषाधिकारी को निर्देश दिए हैं कि जब तक अनुसंधान अधिकारी गवाही के लिए ट्रायल कोर्ट में हाजिर नहीं हो या अदालत उन्हें राहत नहीं दे, तब तक उसका वेतन और अन्य भत्ते रोक लिए जाए।

राज्य में उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता और आपूर्ति : डॉ. किरोडी लाल

प्रदेश में वर्तमान में 1.84 लाख मैट्रिक टन यूरिया, 65 हजार मैट्रिक टन डीएपी, 64 हजार मैट्रिक टन एनपीके एवं 1.53 लाख मैट्रिक टन एसएसपी उर्वरकों का स्टॉक उपलब्ध

जयपुर (कासं)। कृषि मंत्री डॉ. किरोडी लाल ने बुधवार को राज्य में कृषकों को उर्वरको की आपूर्ति एवं आवश्यकता अनुसार उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार और कृषि विभाग द्वारा उर्वरकों की दैनिक उपलब्धता पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। कम उपलब्धता और अधिक खपत वाले जिलों व ब्लॉकों को चिन्हित कर प्रदेश भर में प्राथमिकता के साथ पूर्ण पारदर्शिता से उर्वरकों का वितरण किया जा रहा है। उर्वरकों की कालाबाजारी व जमाखोरी रोकने के लिए विभागीय अधिकारी प्रदेश भर में पूर्ण सतर्कता से कार्य कर रहे हैं।

कृषि मंत्री डॉ. किरोडी लाल मीणा ने बताया कि राज्य के किसानों को पर्याप्त मात्रा में उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु रबी 2025 में अक्टूबर व नवम्बर में भारत सरकार द्वारा आवंटित 7 लाख 55 हजार मैट्रिक टन यूरिया के विरुद्ध 01 अक्टूबर 2025 को उपलब्ध स्टॉक सहित अब तक 8 लाख 99 हजार मैट्रिक टन की उपलब्धता की गई है एवं 35 हजार मैट्रिक टन यूरिया परिवहन में है, जिसकी आपूर्ति आगामी 2 दिवसों में हो जायेगी।

- **35 हजार मैट्रिक टन यूरिया परिवहन में है, प्रदेश में फिलहाल राज्य की मांग से अधिक उर्वरकों की उपलब्धता है।**

उन्होंने बताया कि प्रदेश में वर्तमान में 1 लाख 84 हजार मैट्रिक टन यूरिया, 65 हजार मैट्रिक टन डीएपी, 64 हजार मैट्रिक टन एनपीके एवं 1 लाख 53 हजार मैट्रिक टन एसएसपी उर्वरकों का स्टॉक उपलब्ध है।

वर्तमान में गत वर्ष की तुलना में फॉस्फेटिक उर्वरकों का स्टॉक 69 हजार मैट्रिक टन अधिक है। केंद्र सरकार की ओर से यूरिया, डीएपी एव अन्य उर्वरकों का राज्यों को माहवार व कम्पनीवार आवंटन किया जाता है। राज्य सरकार द्वारा प्राप्त आवंटन एवं जिलों की मांग के अनुसार जिलेवार आपूर्ति योजना तैयार कर प्रदेश में उर्वरकों का वितरण पारदर्शिता से कराया जा रहा है।

प्रमुख शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी मंजू राजपाल ने बताया कि कृषकों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड में अंकित सिफारिशानुसार ही उर्वरकों के उपयोग हेतु प्रेरित करने, उर्वरकों का समान रूप से पारदर्शिता के साथ वितरण कराने और उर्वरक वितरण में अनियमित्ता बरतने वाले विक्रेताओं, जमाखोरों और कालाबाजारी करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही हेतु समस्त जिलाधिकारियों को निर्देशित किया गया है।

राजपाल ने बताया कि विभाग द्वारा राज्य में प्रत्येक उर्वरक विक्रेता के विक्रय परिसर पर उर्वरकों का वितरण व प्रभावी मोनेटरिंग किये जाने हेतु विभागीय अधिकारियों, कार्मिकों की नामजद ड्यूटी लगायी गई है। किसी विक्रेता के यहां कृषकों की संख्या अधिक होने पर कृषकों को पंक्तिबद्ध किया जाकर उनकी देख-रेख में उर्वरकों का वितरण करवाया जा रहा है। उन्होंने बताया गया कि राज्य के सीमावर्ती जिलों से उर्वरकों का अन्य राज्यों में परिगमन रोकने हेतु विभागीय कार्मिक एवं आवश्यकतानुसार पुलिस के सहयोग से 61 चैक पोस्ट स्थापित किये गये हैं, जिनके द्वारा नियमित निगरानी जारी है।

समय-समय पर विशेष अभियान चला कर उर्वरक वितरण में जमाखोरी, कालाबाजारी, यूरिया डायवर्जन सहित अन्य अनियमितता बरतने वाले विक्रेताओं के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की गई है।

लो फ्लोर बस चालकों की हड़ताल समाप्त

जयपुर। जेसीटीसीएल,बगराना डिपो की लो -फ्लोर बस चालको की दो दिन से चल रहीं हड़ताल बुधवार को समाप्त हो गई। लो फ्लोर बसों का संचालन करने वाली निजी फर्म पारस ट्रेवल्स ने ड्राइवर यूनियन की 5 मांगों को लेकर सहमति बन गई।
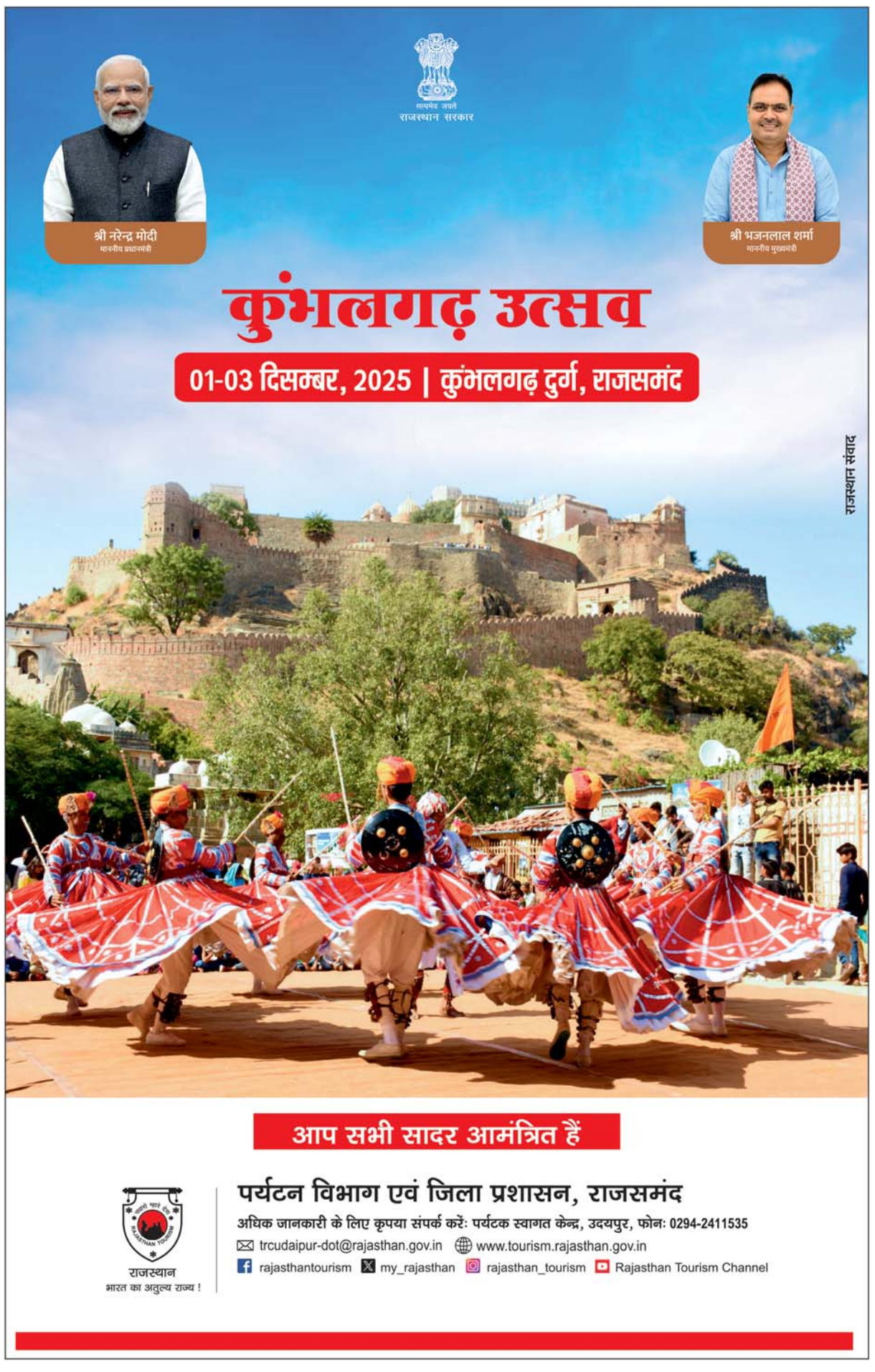
इससे पहले बुधवार को बगराना डिपो के बाहर बस चालकों ने जमकर विरोध- प्रदर्शन किया। उन्होंने बताया कि पारस ट्रेवल्स फर्म लगातार श्रम कानूनों का उल्लंघन कर रही है। ड्राइवरों को मेंटेनेंस के बिना खराब बसें चलाने को मजबूर किया जाता है। जिससे हादसे का खतरा बढ़ता है। बीते दिनों टोंक फाटक पुलिया पर बस में लगी आग और पिछले दिनों में हुए कई हादसे इसी लापरवाही का नतीजा हैं। जिसके बाद पांच सूत्रीय मांगों को मान लिया गया। लो -फ्लोर बस चालकों ने दुर्घटना में मारे गए लो -फ्लोर बस चालक कुलदीप मीणा के परिवार को आर्थिक सहायता, ड्यूटी के दौरान लकवा ग्रस्त चालक रामजीलाल शर्मा के परिवार को आर्थिक सहायता,दोनों चालकों के वेतन, ओवरटाइम, पीएफ, ईएसआई क्लेम और पेंशन का तुरंत भुगतान करने की मांग की। जिसके बाद डिपो प्रबंधन ने बस चालकों की मांग को स्वीकार करते हुए ड्राइवरों की सैलरी में बढ़ोतरी करने का आश्वासन दिया। गौरतलब है कि दो दिन पहले लो -फ्लोर बस चालको ने पांच सूत्रीय मांगों को लेकर हड़ताल कर दी थी।